CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 05 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम पर प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें, उनके जीवन में हम कुछ महत्त्व रखते हैं-ऐसा अनुभव करें।

आपके जरा-से कार्य की यदि किसी ने सच्चे दिल से प्रशंसा की तो आपका दिल कैसा खिल उठता है? कोई आपकी सलाह माँगने आता है तो आपका मन कैसे फूल जाता है?

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी-आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा है। यदि आप उसे, प्रमाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठाक समझना, उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना यही व्यवहारकुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी अपनी सुख-शांति बढ़ती है, सो अलग।

I. मनुष्य का मन प्रसन्नता से कब भर उठता है?
   i. जब वह दूसरों की मदद करता है
   ii. जब दूसरे लोग उसकी प्रशंसा करते हैं तथा उसकी राय माँगते हैं
   iii. जब हम दूसरे के गुणों की कद्र करते हैं
   iv. जब हम अपने जीवन में दूसरों का अभाव महसूस करते हैं

II. बड़े-से-बड़े आदमी भी निम्नलिखित में से किस चीज़ का भूखा होता है?

i. अच्छे स्वादिष्ट भोजन का

ii. अथाह धन-संपत्ति का

iii. दूसरों को प्रोत्साहित करने का

iv. प्रतिष्ठा एवं प्रोत्साहन का

III. सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी है-

i. मनुष्य की व्यवहारकुशलता

ii. मनुष्य की योग्यता-ऐसी योग्यता जो दूसरों पर प्रभाव जमाने में समर्थ हो

iii. मनुष्य को समय के अनुसार रंग बदलने की आदत

iv. मनुष्य की दबंगता

IV. व्यवहारकुशलता किसे कहते हैं?

i. दूसरों की भावनाओं को समझकर सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना

ii. दूसरों की भावनाओं को समझकर उसके अनुकूल कार्य करना

iii. दूसरों की आवश्यकता एवं उसकी रुचि के अनुकूल कार्य करना

iv. दूसरों को समझना, दूसरों की परेशानी जानना और अपनी बताना

V. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से क्या है?

i. मानव की प्रवृत्तियाँ

ii. स्नेह का भूखा

iii. सामाजिक जीवन

iv. व्यवहारकुशलता

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

सर सैयद अहमद खां एक सुधारवादी नेता थे। वे जीवन भर समाज-सेवा में लगे रहे। इनका जन्म 17 अक्टूबर सन् 1917 ई. में दिल्ली के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। ये अपने पिता सैयद मुवक्की के साथ दरबार में जाया करते थे। इनका लालन-पालन इनके नाना के घर हुआ था। इनकी माताजी एक धर्मनिष्ठ तथा अनुशासन प्रिय महिला थीं। वह सैयद को भी अनुशासित रखती थीं। अपनी माता से यह बहुत प्रभावित थे। अपने समय के प्रसिद्ध विद्वानों से इन्होंने फारसी, अरबी तथा गणित की शिक्षा प्राप्त की। यह उर्दू के मशहूर शायर गालिब के पास भी जाया करते थे। बड़े भाई की मृत्यु के बाद यह बड़े दुखी रहने लगे। दरबार से इन्होंने अपना संबंध तोड़ लिया और अंग्रेज सरकार की नौकरी को तैयार हो गए। उन्होंने कमिश्नर के दफ्तर में मुंशी की नौकरी की। फिर मुंसिफी की परीक्षा पास कर मैनपुरी में मुंसिफ के पद पर नियुक्त हुए। कुछ समय बाद यह वहां से चले आए। भाई की मृत्यु के कारण माता बहुत दुखी रहती थीं अतः यह उनके पास रहने लगे। इनकी नियुक्ति दिल्ली में अमीन पद पर हो गई। सन् 1857 के विद्रोह को इन्होंने बहुत करीब से देखा और "भारतीय विद्रोह के कारण" नामक पुस्तक की रचना की। इस पुस्तक में इन्होंने लिखा की भारतीयों को कानून बनाने के कार्य से दूर रखना ही विद्रोह का मूल कारण है। इन्होंने सेना के प्रबंध में भी सुधार की माँग की। अंग्रेज सैयद अहमद खां के विचारों से बहुत प्रभावित हुए। 1869 में सैयद जी इंग्लैंड गए। वहां की शिक्षा,

जीवन प्रणाली का निकट से अध्ययन किया। उनकी यह धारणा बनी कि अंग्रेजों की शिक्षा प्रणाली को अपनाकर ही भारत उन्नति कर सकता है। भारत के वायसराय लार्ड क्लिंटन ने एक सम्मेलन बुलाया जिसमें वह भारतीयों की विचारधारा से परिचित होना चाहते थे। उस सम्मेलन में केशवचंद जैन तथा स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ सैयद-अहमद खां भी थे। इन्हें वायसराय की विधान सभा का सदस्य बनाया गया। 1860 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भयानक अकाल पड़ा। कलक्टर ने राहत कार्य इन्हें ही सौंपा। इस कार्य को इन्होंने बड़ी जिम्मेदारी से निभाया।

I. सर सैयद अहमद खां का लालन-पालन किसने किया था?
   i. नाना ने
   ii. दादी ने
   iii. चाचा ने
   iv. मौसी ने

II. सर सैयद अहमद खां आजीवन क्या करते रहे?
   i. वकालत
   ii. हकीमी
   iii. व्यापार
   iv. समाज सेवा

III. सैयद मुवक्की का सर सैयद अहमद खां से क्या रिश्ता था?
   i. भाई
   ii. ताऊ
   iii. चाचा
   iv. पिता

IV. सर सैयद अहमद खां पर किसका अधिक प्रभाव पड़ा था?
   i. पिता का
   ii. माता का
   iii. नानी का
   iv. चाचा का

V. फारसी, अरबी तथा गणित की शिक्षा सर सयैद अहमदखां को किसने दी थी?
   i. भाई ने
   ii. माता ने
   iii. उनके समय के मशहूर विद्वानों ने
   iv. ताऊ ने

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

जो विद्या की इच्छा रखता है, वह विद्यार्थी है। मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखने की इच्छा रखता है। इस दृष्टि से वह सदैव विद्यार्थी रहता है. किन्तु स्थूल रूप से मानव जीवन में विद्यार्थी काल बहुत लंबा नहीं है। यह मनुष्य के जीवन का स्वर्णिम काल

है। विद्यार्थी जीवन हंसने-हंसाने का समय है। खेल-खेल में पढ़ाई का अभ्यास इसी उम्न में होता है। माता-पिता लाड़-प्यार करते हैं। परिवारजन स्नेह की वर्षा से अबोध मन को गुदगुदाते हैं। नित नए मित्र बनते हैं, छेड़-छाड़ चलती है। कभी-कभी बात बढ़ जाती है और नौबत मार-पीट, हाथापाई तक आ जाती है. परन्तु सारा द्वेष. समस्त क्रोध, सारी कड़वाहट दूसरे पल ही नष्ट हो जाती है। आज जिससे लड़े कल उसी के साथ बैठ मीठी-मीठी बातें करने का दृश्य दिखाई देता है। खाने-पीने और मौज उड़ाने का यह मस्ताना मौसम चाहे कितना छोटा क्यों न हो, लुभावना और सुहावना होता है।

I. प्रस्तुत अंश में जोर दिया गया है-
   i. स्कूली शिक्षा पर
   ii. चरित्र निर्माण पर
   iii. अनुशासन पर
   iv. विद्यार्थी जीवन की विशेष मानसिकता पर

II. विद्यार्थी जीवन मोहक है क्योंकि:-
   i. अल्पकालिक है।
   ii. प्रत्येक इच्छा माता-पिता द्वारा पूरी की जाती है।
   iii. परिवार, विद्यालय एवं मित्रों के बीच सर्वत्र आत्मीय वातावरण विद्यमान रहता है।
   iv. किसी प्रकार के अनुशासन की अपेक्षा नहीं होती।

III. विद्यार्थी जीवन का आपसी लड़ाई-झगड़ा जल्दी समाप्त हो जाने का कारण है:-
   i. मन का सरल, निष्कपट भावना
   ii. बचपन से ही अनुशासन सिखाया जाता है।
   iii. अकेले रह जाने का आतंक
   iv. अध्यापक द्वारा दण्डित किये जाने का भय

IV. मनुष्य सदैव विद्यार्थी है क्योंकि:-
   i. वह बड़ी से बड़ी डिग्री हासिल करना चाहता है।
   ii. उसका अहंकार शांत होता है।
   iii. वह ऊँचे से ऊँचे पद पर पहुँचना चाहता है।
   iv. वह सदैव कुछ नया सीखने की इच्छा रखता है।

V. 'अबोध' शब्द का अभिप्राय है :-
   i. मोहक
   ii. सरल
   iii. उत्साहित
   iv. प्रसन्न

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारतवर्ष के महान् वीर, त्यागी और बलिदानी महापुरुषों में पितामह भीष्म का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। वे महाराजा शांतनु और माता गंगा के इकलौते पुत्र थे। उनके बचपन का नाम देवव्रत था। पुत्र को जन्म देकर गंगा अपने लोक को चली गई तो महाराजा शांतनु पत्नी वियोग में दुःखी रहने लगे। एक दिन गंगा के किनारे उन्होंने मल्लाहों के प्रमुख दाशराज की पुत्री सत्यवती को देखा। सत्यवती अति रूपवती युवती थी। शांतनु ने सत्यवती से विवाह का प्रस्ताव उसके पिता के पास भेजा किंतु दशराज ने यह शर्त रख दी कि यदि महाराज उत्तराधिकार में सत्यवती के पुत्र को राज्य देने का वायदा करें तो सत्यवती से महाराज का विवाह कर दूंगा। राजा यह शर्त स्वीकार न कर सके और सत्यवती के लिए व्याकुल रहने लगे। देवव्रत ने जब पिता की उदासी का कारण जाना तो उन्होंने का कारण जाना तो उन्होंने दाशराज के सम्मुख आजीवन ब्रह्मचारी रहने की प्रतिज्ञा की जिससे कि सत्यवती के पुत्र को राज्याधिकार प्राप्त करने में कोई अड़चन न जाए। इस भीषण प्रतिज्ञा के कारण ही देवव्रत को भीष्म कहा जाने लगा।

महाराजा शांतनु का सत्यवती से विवाह हुआ और उससे उनके दो पुत्र हुए–चित्रागंद और विचित्रवीर्य। चित्रागंद निःस्तान मरे और विचित्रवीर्य को धृतराष्ट्र जन्मांध थे अतः राजगद्दी पांडु को प्राप्त हुई। धृतराष्ट्र के 100 पुत्र हुए जिनमें दुर्योधन सबसे बड़ा था। पांडु के क्रमशः युद्धिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव पांच पुत्र हुए। धृतराष्ट्र के पुत्र कौरव तथा पांडु के पुत्र पांडव कहे जाते थे। अर्जुन धनुर्विद्या में, भीम मल्लयद्ध में अद्वितीय थे। दुर्योधन पांडवों से ईर्ष्या रखता था। भीष्म ने इन राजकुमारों की शिक्षा-दीक्षा का उचित प्रबंध किया था। भीष्म उनके पितामह लगते थे इसलिए उन्हें भीष्म पितामह कहा जाने लगा।

I. शांतनु कौन था?
   i. एक ब्राह्मण
   ii. एक वैश्य
   iii. एक जौहरी
   iv. महाराजा

II. किसका बचपन का नाम देवव्रत था?
   i. शांतनु का
   ii. दशराज का
   iii. शांतनु के पुत्र का
   iv. इनमें से कोई नहीं

III. गंगा किसकी माता थी?
   i. शांतनु की
   ii. भीष्म की
   iii. दास की
   iv. सत्यवती की

IV. मल्लाहों के प्रमुख का नाम निम्नलिखित में से क्या है?
   i. भीष्म
   ii. देवव्रत
   iii. भारत

iv. दाशराज

V. शांतनु किसके वियोग में दुःखी रहते थे?

i. गंगा के

ii. कुलवती के

iii. शूतवती के

iv. मृगनयनी के

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्रित या मिश्र वाक्य को पहचानिये -

a. चारों ओर प्रकाश फैलने के कारण चंद्रमा दिखाई दिया।

b. जैसे ही आकाश में चंद्रमा दिखाई दिया, वैसे ही चारों ओर प्रकाश फैल गया।

c. चंद्रमा दिखाई दिया और चारों ओर प्रकाश फ़ैल गया।

d. चंद्रमा के दिखाई देने पर प्रकाश फ़ैल गया।

ii. आज हमारे घर राजमा बने हैं और चावल भी बने हैं। (सरल वाक्य)

a. जब मेरे घर राजमा बनते है, तब चावल भी बनते हैं।

b. हमारे घर में राजमा बनने पर चावल बनाए जाते हैं।

c. आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं।

d. क्योंकि आज मेरे घर राजमा बने हैं इसलिए चावल भी बने हैं।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्रित या मिश्र वाक्य की पहचान करो -

a. तुम बस रूकने की जगह चले जाओ।

b. तुम उस जगह चले जाओ, जहाँ बस रूकती है।

c. तुम बस रोको और उस स्थान पर चले जाओ।

d. बस रूके और तुम उस स्थान पर चले जाना।

iv. निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्रित या मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-

a. खुद कमाने पर दुनिया का हाल पता चलेगा।

b. जब खुद कमाओगे, तब दुनिया का हाल पता चलेगा।

c. तुम खुद कमा रहे हो इसलिए दुनिया का हाल पता है।

d. खुद कमाने वाले को दुनिया का हाल पता चलता है।

v. इन वाक्यों में से मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि वह लड़की तेज़ दौड़ी, पर प्रथम न आ सकी।

b. लड़की तेज़ दौड़ी और प्रथम न आ सकी।

c. तेज़ दौड़ने वाली लड़की प्रथम न आ सकी।

d. लड़की तेज़ दौड़ी। वह प्रथम न आ सकी।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, _____कहलाता है।

a. अव्ययीभाव समास

b. बहुब्रीहि समास

c. तत्पुरुष समास

d. द्वंद्व समास

ii. नीलगगन

a. नील का गगन - तत्पुरुष समास

b. नील के लिए गगन - तत्पुरुष समास

c. नीला गगन - कर्मधारय समास

d. नीला है जो गगन - कर्मधारय समास

iii. आजीवन

a. आ और जीवन - अव्ययीभाव समास

b. जीवन में आने वाला - तत्पुरुष समास

c. जीवन जीने वाला - तत्पुरुष समास

d. जीवन भर - अव्ययी भाव समास

iv. लंबोदर

a. लंबा है जो उदर - बहुब्रीहि

b. लंबा उदर - बहुब्रीहि

c. लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश - बहुब्रीहि

d. लंबे उदर वाला - तत्पुरुष समास

v. माता-पिता

a. माता का पिता - तत्पुरुष समास

b. माता है जो पिता - कर्मधारय समास

c. माता या पिता - कर्मधारय समास

d. माता और पिता - द्वंद्व समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. ऊँचाई पर होना

a. सातवें आसमान पर होना

b. सातवीं कक्षा में होना

c. सातवीं डिग्री मिलना

d. सातवीं ज़मीन पर होना

ii. सच्चे देशभक्त वही होते हैं जो देश की रक्षा में अपना _____ देते हैं।

a. घर जला

b. घर तोड़

c. घर बना

d. घर छोड़

iii. चार दिन से भूखे बच्चे, भोजन को देखकर उस पर _____।

a. गिर पड़े

b. टूट पड़े

c. बैठ गए

d. चल पड़े

iv. संयम के पास थोड़ा रुपया क्या आया, वह तो _____ लगा है |

a. हवा में चलने

b. हवा पर बैठने

c. हवा से बातें करने

d. हवा में उड़ने

v. दिमाग होना

a. समझदार होना

b. दिमागी परेशानी

c. घमंड होना

d. मस्तिष्क की कोई बीमारी

7. **निम्नलिखित पद के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसन पास्यूँ, सुमरन पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बनावँ बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरा।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीरा।

I. कुसुंबी साड़ी पहनने से क्या तात्पर्य है ?

i. साड़ी पहनना

ii. कृष्ण के दर्शन प्राप्त करना

iii. कृष्ण की दासी बनना

iv. गाय चराना

II. मीरा कृष्ण को कहाँ दर्शन देने के लिए कहती है ?

i. वृंदावन में

ii. वन में

iii. महल में

iv. जमुना के किनारे

III. **मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।**
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
प्रस्तुत पंक्ति में क्या वर्णित है?
i. कृष्ण का रूप
ii. कृष्ण
iii. मीरा के कृष्ण
iv. एक गाय चराने वाला

IV. जागीरी का क्या अर्थ है?
i. एक फूल
ii. याद करना
iii. साम्राज्य
iv. किनारा

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

सवार - आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है?
कर्नल - कंपनी का हुक्म है कि वज़ीर अली को गिरफ्तार किया जाए।
सवार - लेकिन इतना लावलश्कर क्या मायने?
कर्नल - गिरफ़्तारी में मदद देने के लिए।
सवार - वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है साहब।
कर्नल - क्यों?
सवार - वो एक जाँबाज़ सिपाही है।
कर्नल - मैंने भी यह सुन रखा है। आप क्या चाहते हैं?
सवार - चंद कारतूस।
कर्नल - किसलिए?
सवार - वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए।
कर्नल - ये लो दस कारतूस
सवार - (मुसकराते हुए) शुक्रिया।
कर्नल - आपका नाम?
सवार - वज़ीर अली। आपने मुझे कारतूस दिए इसलिए आपकी जान बख्शी करता हूँ। (ये कहकर बाहर चला जाता है, टापों का शोर सुनाई देता है। कर्नल एक सन्नाटे में है। हक्का-बक्का खड़ा है कि लेफ्टीनेंट अंदर आता है)
लेफ्टीनेंट - कौन था?
कर्नल - (दबी ज़बान से अपने आप से कहता है) एक जाँबाज़ सिपाही।

I. कर्नल एक जांबाज सिपाही किसको कहता है?
i. वजीर अली

ii. टीपू सुल्तान

iii. सआदत अली

iv. शमसुद्दौला

II. सवार कौन है?

i. सआदत अली

ii. सिपाही

iii. वजीर अली

iv. लेफ्टिनेंट

III. वजीर अली कर्नल की जान क्यों बख्शता है?

i. क्योंकि वह उसका दुश्मन नहीं था

ii. कारतूस के बदले में

iii. वह कर्नल को नहीं मारना चाहता

iv. उसने कर्नल को मार दिया

IV. सवार कर्नल से कारतूस किस लिए मांगता है?

i. वजीर अली को गिरफ्तार करने के लिए

ii. कर्नल को मारने के लिए

iii. कंपनी की सहायता के लिए

iv. लेफ्टिनेंट को धमकाने के लिए

V. कर्नल वजीर अली के आने की बात किस को बताता है?

i. लेफ्टिनेंट को

ii. सिपाही को

iii. घोड़ा को

iv. किसी को नहीं

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

I. कौन लाभ हानि का हिसाब लगाकर ही कोई काम करते हैं?

i. आदर्शवादी लोग

ii. व्यवहारवादी लोग

iii. प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट

iv. जापानी लोग

II. आदर्शवादी लोगों ने क्या किया है?

i. समाज को गिराया है

ii. समाज के मूल्यों को बेहतर किया है

iii. केवल हवा में लाठियाँ चलाई

iv. औरों को पीछे छोड़ कर खुद आगे बढ़ गए

III. जीवन में सफल कौन होता है?

i. आदर्शवादी लोग

ii. सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाले लोग

iii. शाश्वत मूल्य वाले लोग

iv. व्यवहारवादी लोग

IV. इंसानियत की सबसे मुख्य बात क्या है?

i. सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना

ii. केवल अकेले आगे बढ़ना

iii. समाज के शाश्वत मूल्यों को मानना

iv. व्यवहारवादी बनाना

V. समाज को शाश्वत मूल्य किसने दिया है?

i. व्यवहारवादी लोग

ii. प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट

iii. आदर्शवादी लोग

iv. व्यवहारिक सूझ-बुझ वाले लोग

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

ii. वामीरो और तताँरा अगले दिन तो मिले पर वे एक शब्द भी क्यों नहीं बोल पाए? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

iii. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के सन्दर्भ में समुद्र के कोप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

मनुष्यता कविता के आधार पर 'मनुष्यता' की परिभाषा बताइए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. बचपन में लेखक और उसके साथी ग्रीष्मावकाश किस प्रकार व्यतीत करते थे? सपनों के-से दिन पाठ के सन्दर्भ में लिखिए।

ii. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

iii. दस अक्तूबर, सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? टोपी शुक्ल पाठ के आधार लिखिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **पुस्तकें पढ़ने की आदत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

ii. **मित्रता** विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

iii. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

14. अपने राज्य के परिवहन सचिव को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपकी बस्ती तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो ।

OR

किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये के कारण खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या गंभीर होने की ओर उनका ध्यान आकर्षित करें।

15. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद में नर्सिंग होम के लिए जगह नीलाम करना चाहता है। इसके लिए नीलामी सूचना 25-30 शब्दों में तैयार कीजिए।

OR

आपने अपना नाम अभिलाषा से बदलकर प्रांजल कर लिया है। अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को 20-30 शब्दों में इसकी सूचना दीजिए।

16. नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

उत्तम गुणवत्ता की कॉपियाँ अथवा नोटबुक्स बनाने वाली कंपनी की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

17. **मैं तितली हूँ** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

यदि मैं पुस्तक होती विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 05 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (ii) जब दूसरे लोग उसकी प्रशंसा करते हैं तथा उसकी राय माँगते हैं
   II. (iv) प्रतिष्ठा एवं प्रोत्साहन का
   III. (i) मनुष्य की व्यवहारकुशलता
   IV. (i) दूसरों की भावनाओं को समझकर सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना
   V. (iv) व्यवहारकुशलता।

OR

   I. (i) नाना ने
   II. (iv) समाज सेवा
   III. (iv) पिता
   IV. (ii) माता का
   V. (iv) ताऊ ने

2. I. (iv) विद्यार्थी जीवन की विशेष मानसिकता पर
   II. (iii) परिवार, विद्यालय एवं मित्रों के बीच सर्वत्र आत्मीय वातावरण विद्यमान रहता है।
   III. (i) मन का सरल, निष्कपट भावना
   IV. (i) वह सदैव कुछ नया सीखने की इच्छा रखता है।
   V. (ii) सरल

OR

   I. (iv) महाराजा
   II. (iii) शांतनु के पुत्र का
   III. (iii) दो मित्र थे, गाँव में
   IV. (ii) भीष्म की
   V. (iv) दाशराज

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (a) पाँच

   Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) जैसे ही आकाश में चंद्रमा दिखाई दिया, वैसे ही चारों ओर प्रकाश फैल गया।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि मिश्रित वाक्यों में प्रथम वाक्य का दूसरे वाक्य पर प्रभाव पड़ता है। इस वाक्य में व्यधिकरण योजक शब्द है- जैसे-वैसे।

ii. (c) आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं।

Explanation: यह विकल्प सही है। उद्देश्य- आज मेरे घर राजमा और चावल, विधेय- बने हैं।

iii. (b) तुम उस जगह चले जाओ, जहाँ बस रूकती है।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि मिश्रित या मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य के साथ एक या एक से अधिक उपवाक्य आश्रित होते हैं। इन्हें जोड़ने के लिए व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग किया जाता है। तुम उस जगह चले जाओ - प्रधान उपवाक्य, जहाँ - व्यधिकरण अव्यय, बस रूकती है - आश्रित उपवाक्य (क्रियाविशेषण)।

iv. (b) जब खुद कमाओगे, तब दुनिया का हाल पता चलेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ प्रधान उपवाक्य का प्रभाव आश्रित उपवाक्य पर पड़ रहा है और 'जब-तब' अव्ययों का प्रयोग किया गया है। प्रधान एवं आश्रित उपवाक्य का संबंध।

v. (a) यद्यपि वह लड़की तेज़ दौड़ी, पर प्रथम न आ सकी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस वाक्य में 'यद्यपि-पर' व्यधिकरण योजक प्रयोग किया गया है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

ii. (d) नीला है जो गगन - कर्मधारय समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य का संबंध है। 'नीला' विशेषण और 'गगन'

विशेष्य है।

iii. (d) जीवन भर - अव्ययी भाव समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस पद में पहला पद (आ) अव्यय है इसलिए यहाँ पर अव्ययीभाव समास है अर्थात जीवन भर।

iv. (c) लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश - बहुब्रीहि

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ न पूर्वपद और न उत्तरपद की प्रधानता है बल्कि अन्य पद अर्थात 'गणेश' पद की प्रधानता है इसलिए यहाँ बहुब्रीहि समास है।

v. (d) माता और पिता - द्वंद्व समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ दोनों पद प्रधान हैं और समस्त पद बनाते समय योजक शब्द 'और' का लोप हो गया है और योजक चिह्न (-) का प्रयोग किया गया है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) सातवें आसमान पर होना

Explanation: सातवें आसमान पर होना - अपनी प्रशंसा सुनकर सीता सांतवे आसमान पर पहुँच गई।

ii. (a) घर जला

Explanation: घर जला - सर्वस्व समर्पित कर देना

iii. (b) टूट पड़े

Explanation: टूट पड़े - आक्रमण करना

iv. (d) हवा में उड़ने

Explanation: हवा में उड़ने लगा - वास्तविकता से दूर

v. (c) घमंड होना

Explanation: घमंड होना - अचानक लॉटरी लग जाने से गंगाराम का दिमाग हो गया है।

7. I. (iv) कृष्ण के दर्शन प्राप्त करना

II. (iv) जमुना के किनारे

III. (i) कृष्ण का रूप

IV. (iii) साम्राज्य

8. I. (i) वजीर अली

II. (iii) वजीर अली

III. (ii) कारतूस के बदले में

IV. (i) वजीर अली को गिरफ्तार करने के लिए

V. (iv) किसी को नहीं

9. I. (ii) व्यवहारवादी लोग

II. (ii) समाज के मूल्यों को बेहतर किया है

III. (iv) व्यवहारवादी लोग

IV. (i) सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना

V. (iii) आदर्शवादी लोग

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव को अधिक महत्त्वपूर्ण माना है। उनके अनुसार, अनुभव से ही मनुष्य को जीवन की सही समझ आती है और वह बिगड़े हुए कामों को भी सही कर लेता है। घर के छोटे-बड़े काम से लेकर घर के बाहर के विशेषज्ञतापूर्ण कार्यों में अनुभव ही काम आता है। उन्होंने अनुभव को महत्त्वपूर्ण बताने के लिए दादाजी, अम्माजी और हेडमास्टर साहब का उदाहरण दिया है।

ii. वामीरो और तताँरा एक ही बार मिले थे परंतु उन दोनों में गहरा प्रेम निर्माण हो गया थ। वे अपने मनोभावों को व्यक्त करने में पूर्णता असमर्थ थे। ऐसा कहा जाता है कि अपने मन के भावों को व्यक्त करने के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं पड़ती | शायद इसी कारण वे एक दूसरे के भाव समझ रहे थे और अपने प्रेम की मौन अभिव्यक्ति कर रहे थे।

iii. सहनशक्ति समाप्त होने के बाद समुद्र ने क्रोध में अपने पानी पर तैरते तीन जहाजों को आकाश में उछाल दिया | जिसका परिणाम हुआ कि तीनों जहाज भिन्न-भिन्न दिशाओं में जाकर उलट गए और कुछ ही पलों में एक मातम सा छा गया |

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने बंधुत्व की भावना को सबसे बड़ी विवेकशीलता माना है। 'मनुष्यता' कविता के अनुसार, इस संसार में कोई भी व्यक्ति पराया नहीं है। मनुष्य को मानवतावाद का पक्षधर होना चाहिए। सब मनुष्य भाई-भाई हैं; प्रत्येक मनुष्य के प्रति यही दृष्टिकोण उसकी विवेकशीलता का परिचायक है। कवि ने सर्वधर्म समभाव की चेतना को उभारते हुए, सृष्टि को ईश्वर की संरचना माना है। मनुष्य को अपने-अपने कर्मानुसार विभिन्न जीवन व जन्म मिलते हैं।

बाह्य रूप से इस कर्मफल की विभिन्नता के दर्शन होते हैं, परंतु प्रत्येक प्राणी में उस परमपिता परमेश्वर का अंश विद्यमान है। इसीलिए जीना मरना उसी का सार्थक है, जो दूसरों के लिए जीता-मरता है।

परोपकार, दयालुता, उदारता आदि गुण जीवन को सार्थक बनाने में सक्षम हैं। दूसरों का हित चिंतन अपनों के हित चिंतन की तरह ही महत्त्वपूर्ण है।

केवल अपने लिए जीना पशु-प्रवृत्ति है, जबकि दूसरों के लिए जीना ही 'मनुष्यता' है। निःस्वार्थ भाव से जीवन में दूसरों के काम आना व स्वयं को ऊँचा उठाने के साथ-साथ दूसरों को भी ऊँचा उठाना ही वास्तविक 'मनुष्यता' है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. पाठ के अनुसार लेखक के स्कूल में साल के शुरुआत में एक - डेढ़ महीने पढ़ाई होती थी, फिर लगभग डेढ़ - दो महीने के लिए गर्मी की छुट्टी हो जाती थी। छुट्टियों के नाम से बच्चों में खुशी की लहर दौड़ जाती थी।

ग्रीष्मावकाश शुरू होते ही लेखक अपनी मां के साथ अपने ननिहाल चले जाते थे। नानी के यहाँ लेखक को आवश्यकता से अधिक लाड़ - प्यार मिलता था और ढेर सारी चीजें खाने को मिलती थीं।

अगर किसी कारणवश वे ननिहाल नहिंजा सके तो अपने घर के पास वाले तालाब में मित्रों के साथ नहाना और तैरना ना आते हुए भी मित्रों को देखकर तैरने की कोशिश करते थे । रेत के टीले पर खेलना भी इन सब में शामिल था। और वे सब पूरे छुट्टी में स्कूल से मिला कार्य भी भूल जाते थे। ऐसी शरारतों के साथ लेखक और उनके मित्रों की छुट्टियां बीतती थी ।

ii. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की एक अलग अलग राय थी। एक तरफ चटोर किस्म के लोग थे जो सुबह-शाम

प्रसाद के बहाने भोजन किया करते थे। वे लोग किसी भी तरह साधु-संतों और महंतों आदि को प्रसन्न रखना चाहते थे। इसलिए हरिहर काका की ज़मीन ठाकुरबारी के नाम लिखवाने की हिमायत करते थे। दूसरी तरफ इसी गाँव में कुछ लोग पढ़े-लिखे और प्रगतिशील विचारधारा के लोग थे। वे खेती का काम करते थे और एक किसान के लिए उसकी ज़मीन के महत्त्व को भली-भाँति जानते थे। ऐसे लोग यह सोचते थे कि हरिहर काका को अपने हिस्से की ज़मीन-जायदाद अपने भाइयों के नाम लिख देनी चाहिए।

iii. दस अक्टूबर, सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि इसी दिन इफ्फन के पिता बदली होने पर सपरिवार मुरादाबाद चले गए। और टोपी ने इसी दिन कसम खाई कि वह अब किसी ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा जिसके पिता की नौकरी में बदली होती रहती हो। टोपी को इफ्फन की दादी से बहुत लगाव हो गया था और वो उन्हें अपने परिवार की तरह मानता था। ऐसी स्थिति में इफ्फन की दादी का मरना और फिर कुछ दिनों बाद उसके पिताजी का तबादला होना, टोपी के लिए किसी सदमे से कम नहीं था।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **पुस्तकें पढ़ने की आदत**

पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंश है। पुस्तकों के अध्ययन से हम भिन्न-भिन्न प्रकार के ज्ञान अर्जित करने में सक्षम होते हैं। पुस्तकें विद्यालयी विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए एक उपयोगी साधन है। विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन पुस्तकों द्वारा संभव होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत एवं मनोरंजन के साधन रूप में पुस्तकें कार्य करती हैं। वर्तमान दौर में तकनीकों का प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु समय का जो दुरुपयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है उसको भर पाना असंभव प्रतीत होने लगा है। पुस्तक पढ़ने की आदत से हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है तथा हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहते हैं। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत बनानी चाहिए।

ii. इस दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण और सुंदर रिश्ता है - सच्ची मित्रता का रिश्ता। क्योंकि यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे मनुष्य ख़ुद बनाता है बाकी रिश्ते तो जन्म के बाद ही बन जाते हैं। एक सच्चा मित्र तो बहुमूल्य उपहार की भांति होता है। एक सच्चा मित्र हर मुसीबत में आपके साथ खड़ा रहता है। इसीलिए हर मानव को अपनी जिन्दगी में एक मित्र की आवश्यकता पड़ती है। एक सच्चा मित्र कभी भी आपको वैसा होने की आजादी देता है जैसे आप हो।

अच्छा मित्र कभी भी आपको बुरे कामों के लिए उत्साहित नहीं करेगा वो आपको ऐसे कामों से दूर रहने की सलाह देगा। इसीलिए मित्रता तो विश्वास, सहयोग और दो लोगों के बीच प्यार की भावना का संगम होता है। मित्र बनाना कोई आसान काम नहीं होता इसके लिए मानव के अंदर कुछ अच्छी विशेषताएं अवश्य होनी चाहिए। पहली यह कि उसे अपने मित्र पर विश्वास रखना होगा और दूसरी यह कि एक मित्र को दुसरे मित्र में छोटी -छोटी बात के लिए दोष नहीं निकालने चाहिए। दोस्ती दोनों में समान होनी चाहिए।

एक झूठा मित्र हमेशा आपके साथ स्वार्थ के लिए दोस्ती करेगा। ऐसी मित्रता ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती इसीलिए ऐसे मित्रों से दूर ही रहना चाहिए। एक सच्चा और अच्छा मित्र वही होता है जो हमारी कमियों का मजाक न उड़ाते हुए उन्हें दूर

करने में मदद करता है। सच्चा मित्र हमेशा हमारी अच्छाइयों से हमें अवगत कराता है।
अपने शत्रु को हज़ारों मौके दो कि वो तुम्हारा मित्र बन जाये परन्तु आपके मित्र को एक भी ऐसा मौका ना दो कि वो आपका शत्रु बन जाए।

iii. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है।
स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।
हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

14. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
परिवहन सचिव महोदय,
दिल्ली सरकार, दिल्ली।
विषय अपनी कॉलोनी तक नए बस मार्ग हेतु।
मान्यवर,

मैं उत्तर-पश्चिम दिल्ली के विकासपुरी, डी ब्लॉक का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बड़ी जनसंख्या निवास करती है, जिसमें अधिकांश लोग दिल्ली के विभिन्न भागों में कार्यरत हैं। हमारी कॉलोनी से कोई बस नहीं चलती। इसके कारण लोगों को प्रत्येक दिन अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। तथा लगभग 2 किमी पैदल चलकर ए-ब्लॉक बस स्टैंड तक आना पड़ता है। इसमें समय की बर्बादी के साथ शारीरिक-मानसिक परेशानी भी होती है।
अतः आपसे अनुरोध है कि विकासपुरी डी-ब्लॉक तक एक नया बस मार्ग (बस रूट) आरंभ करने की कृपा करें। इसके लिए | हम सब आपके आभारी रहेंगे। मुझे विश्वास है कि आप इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को इसके लिए उचित निर्देश देंगे।
धन्यवाद।

भवदीय
कमल

OR

परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
सहारनपुर,
उत्तर प्रदेश।
विषय स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये हेतु।
महोदय,

मैं इस पत्र द्वारा आपका ध्यान स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में तैनात स्वास्थ्य कर्मचारी अपने कर्तव्य से विमुख हो गए हैं। वे कई-कई दिनों तक इधर नहीं आते। यदि थोड़ी देर के लिए आ भी जाते हैं, तो अपना कार्य नहीं करते, बल्कि इसके स्थान पर किसी हलवाई या चाट-पकौड़ी वाले की दुकान पर बैठकर नाश्ता आदि करके वापस चले जाते हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि दूध की डेयरी, मिष्टान्न भंडारों, किराने की दुकानों आदि में दुकानदार जी भरकर मिलावटी चीज़ों की बिक्री कर रहे हैं और जनता को विवशतापूर्वक इन्हीं चीज़ों को खरीदना पड़ रहा है। इन मिलावटी तथा कम गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को खाकर सभी बीमार हो रहे हैं। हमने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कई बार अपनी समस्याओं से अवगत भी कराया है, किंतु उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इनकी लापरवाही किसी की जान भी ले सकती है।
महोदय, आपसे विनम्र निवेदन है कि आप स्वयं अपने स्तर से इस विषय की जाँच कराने की कृपा करें ताकि हमारी समस्याओं का निवारण किया जा सके।
धन्यवाद।
मार्थी
मोहित

15.

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
फरीदाबाद में नर्सिंग होम/क्लीनिक
कि नीलामी की घोषणा करता है

स्थल का विवरण

नर्सिंग होम अस्थायी क्षेत्र 500 वर्ग गज

सेक्टर - 3

स्थल संख्या - 2

नियम एवं शर्तें: (नर्सिंग होम/क्लीनिक)

* यह स्थल पूर्ण स्वामित्व पर आधारित है। आबंटी को कब्जे की पेशकश के 2 वर्षों के भीतर नर्सिंग हिम/क्लीनिक का निर्माण कार्य निष्पन्न करना होगा। बोली राशि का 10% अंश बोली छूटते ही नगद या संपदा अधिकारी, हुड्डा, फरीदाबाद के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करवाना होगा तथा अभीष्ट बोलीदाता को नीलामी में भाग लेने से पूर्व 100000/- रुपये धरोहर राशि के रूप में जमा करवाने होंगे जो कि नीलामी के पश्चात् लौटा दिए जाएँगे। नीलामी की पूर्ण राशि आवंटन पत्रजारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर होगा।

नीलामी की तिथि . . . . . को पूर्वाह्न 10.00 बजे

स्थान: हुड्डा कार्यालय परिसर

सेक्टर-12, फरीदाबाद

ह०	ह०.....
संपदा अधिकारी, हुड्डा, फरीदाबाद	प्रशासक, हुड्डा, फरीदाबाद

OR

केंद्रीय विद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

सूचना

दिनांक 12 मार्च, 2019

नाम बदलने की सूचना

समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मैंने अर्थात् कक्षा दसवीं 'ब' की छात्रा कु. अभिलाषा सुपुत्री श्रीमती एवं श्रीमान अक्षत जिंदल, निवासी-B ब्लॉक, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली ने प्रशासनिक कारणों से अपना नाम अभिलाषा से बदलकर 'प्रांजल' रख लिया है। भविष्य में मुझे 'प्रांजल' नाम से ही जाना जाए क्योंकि इसी नाम का प्रयोग ही मान्य होगा।

प्रांजल

कक्षा-दसवीं 'ब'

16.

कीमत केवल 100 रूपये (6 पैकेट)

"नाखूनों की शान बढ़ाती

सुंदरता में चार चाँद लगाती

सबके मन को लुभाती"

"""""श्रृंगार नेलपॉलिश"""""

आकर्षक रंगो में उपलब्ध

सस्ती सुंदर और टिकाऊ

OR

विद्यार्थियों की पहली पसंद

गोल्ड नोटबुक्स

जी चाहे, बस लिखते ही जाओ....

गोल्ड नोटबुक्स की खूबियाँ

- गुणवत्तायुक्त कागज़
- इकोफ्रेंडली कागज़ का प्रयोग

- उचित दाम पर उपलब्ध
- सभी आकारों में उपलब्ध
- सभी प्रमुख स्टेशनरी स्टोर्स पर उपलब्ध

गोल्ड नोटबुक्स खरीदने के लिए अपने नज़दीकी बुक विक्रेता से संपर्क करें

17. **मैं तितली हूँ**

मैं एक तितली हूँ। मैं एक छोटे-से अंडे से निकली। उसमें से लार्वा निकला और दो रंगीले, कोमल और चमकीले पंखों को अपने शरीर पर लिए हुए मेरा जन्म हुआ। मुझे फूलों से विशेष लगाव है। रंग-बिरंगे फूलों पर बैठकर उनका रसपान करना मुझे बहुत पसंद है। जब मैं फूलों पर बैठती हूँ तो छोटे-छोटे बच्चे मुझे पकड़ने के लिए मेरे पीछे भागते हैं पर मैं उनसे बच निकलती हूँ। एक दिन एक शरारती बच्चा मुझे पकड़कर अपने घर ले गया। तब तो मैं घबरा गई थी। बच्चे की माँ ने समझाया कि वो मुझे खुले आसमान में उड़ने दे। जैसे ही उसने मुझे छोड़ा, मेरी जान में जान आई और मैं खुले आसमान में उड़ गई।

OR

यदि मैं पुस्तक होती

गरिमा को स्कूल में सभी पढ़ाकू कहते और उसका मजाक उड़ाते, उसका हाथ कभी भी पुस्तक से खाली नहीं होता कक्षा में, घर में, बस में हमेशा कोई न कोई पुस्तक उसके हाथ में जरूर होती सारांश यह कि पुस्तक ही उसकी सबसे अच्छी दोस्त थी। दफ्तर से लौटे हुए उसके पिताजी ने बताया कि प्रगति मैदान में पुस्तक मेला लगा है और वे उसे कल वहाँ ले जायेंगे। गरिमा के मन में खुशी के लड्डू फूट रहे थे।

दूसरे दिन मेले से घूमकर लौटते हुए गरिमा सोच रही थी कि यदि मैं पुस्तक होती तो कितना मजा आता उसमें तरह-तरह की ज्ञान-विज्ञान की बातें होती, लोग चाव से पुस्तकें खरीदते अपनी अलमारी में सजाते और मजे लेकर पढ़ते। शायद ही ऐसा कोई विषय हो जिनको इन पुस्तकों ने स्थान न दिया हो, पौराणिक काल से लेकर आज तक कुछ भी इन पुस्तकों से अछूता नहीं रहा किंतु आज उनका स्वरूप बदल गया है आज हम चुटकी बजाते ही मोबाइल, कम्प्यूटर पर अपनी मनपसंद पुस्तकें चुनकर पढ़ लेते हैं। तभी घर आ गया उसके हाथ में पुस्तक मेले से चुन-चुनकर खरीदी गई पुस्तकों से भरा बड़ा-सा थैला था और उसे अपने कमरे में उन्हें रखने के लिए जगह बनानी थी।